श्री दिगम्बर जैन महासमिति

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065
मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	:	Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No	:	10170001973962
Branch	:	Bandhan Bank, East Patel Nagar, Delhi-110008
IFSC Code	:	BDBL0001498

वर्ष 4 - अंक 5 अक्टूबर 2021

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
संगीता कासलीवाल

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
सुन्दर नगरी, दिल्ली-110093

मुख्य कार्यालय

Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

विषय सूची

1. सम्पादकीय 2
2. मैत्री भवना 4
3. 75 वीं बालिका के विवाह में सहयोग..... 5
4. श्री विद्यासागर जी महामुनिराज..... 6
5. समाज सेवा 7
6. खाद्य सामाग्रियों का वितरण..... 8
7. शपथ ग्रहण समारोह .. 9
8. जैन समाज रचेगा नया इतिहास 10
9. भव्य अधिवेशन .. 11
10. बून्दी की कार्यकारिणी .. 12
11. सवाई माधोपुर की कार्यकारिणी ... 13
12. व्यावर, जिला अजमेर की कार्यकारिणी.. 14
13. मध्यांचल का सम्मेलन.... 15
14. अद्भुत शिक्षा व्यवस्था.... 16

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

आज का युग विकास का युग है

आज का युग मानव संसाधन विकास का युग है। हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उत्पादकता बढ़ाने के लिए अन्य चीज़ों के साथ–साथ मनुष्य की उत्पादकता अथवा क्षमता बढ़ाना भी अनिवार्य माना जाने लगा है। इसीलिए मनुष्य को वो सब चीज़ें सिखाई जाती हैं जो व्यक्ति की पारंपरिक सोच को बदलकर उसकी कार्य करने की क्षमता में गुणात्मक परिवर्तन कर सकें। इसके लिए आज जिस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है उसमें कई ऐसी चीज़ें भी सम्मिलित हो गई हैं, जिन्हें पहले महत्तव ही नहीं दिया जाता था। आज प्रतियोगिता जीतने अथवा सबसे आगे बढ़ने में उनका विशेष महत्व हो गया है।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए अथवा कार्यों में अधिक कुशलता प्राप्त करने के लिए पहले भी प्रशिक्षण दिया जाता था लेकिन आज उसका महत्तव बहुत बढ़ गया है या बढ़ा दिया गया है। लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए हर संभव प्रयास करना अच्छी बात है लेकिन लक्ष्य क्या है अथवा उसके दुरगामी परिणाम क्या होंगे; ये आज महत्वहीन हो गया है जो हर दृष्टि से गलत है। विकास की अंधी दौड़ में हम किसी भी कार्य के दूरगामी परिणामों को देखते ही नहीं। आज इसी के कारण समस्याओं और तनाव का दुष्चक्र हमारा पीछा नहीं छोड़ रहा है। ज़रुरी है कि हमारे लक्ष्य ऐसे हों जिन्हें पूरा करने पर दुसरी समस्यायें उत्पन्न न हों एक तरफ विकास हो रहा है तथा दूसरी तरफ विनाश हो रहा हो तो इसे वास्तविक विकास नहीं कहा जा सकता। विनाशरहित विकास ही श्रेयस्कर हो सकता है इसमें संदेह नहीं।

आज सिखाया जाता हैं कि आगे बढ़ना है तो लोगों की परवाह मत करो। ठीक है लोग तो कुछ न कुछ कहते ही रहते हैं। हमेशा उनकी ही परवाह की जाए तो हम कुछ भी नहीं कर पाएँगे लेकिन लोगों की उपेक्षा तो ठीक नहीं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए आज हम लापरवाही नहीं उपेक्षा के स्तर पर आ गए हैं। जीवन के एक क्षेत्र में उन्नति के लिए अन्य क्षेत्रों की उपेक्षा केसे की जा सकती है ? लोग, राष्ट्र व समाज को छोड़िए आज हम घर–परिवार व माता–पिता तक की उपेक्षा करने लगे हैं। मात्र व्यक्तिगत उन्नति के लिए समाज की उपेक्षा अथवा मात्र भौतिक उन्नति के लिए जीवन के उदात्त मूल्यों की उपेक्षा ठीक नहीं। स्वास्थ्य अथवा नैतिकता की क़ीमत पर प्राप्त की गई समृद्धि भी संतुलित विकास नहीं।

आज कहा जाता है पहले स्वयं को देखो। अपने लक्ष्यों को देखो। उन्हें प्राप्त करने के लिए जो भी करना हो करो। स्वार्थी बनो। एक सीमा तक स्वार्थी बनने अथवा अपना भला करने में कोई बुराई नहीं। लेकिन सोचिए हम जीवन भर केवल स्वार्थी बने रह कर क्या विशेष उपलब्धियाँ प्राप्त कर पाते हैं ? राष्ट्र, समाज, परिवार, मित्रादि की उपेक्षा की क़ीमत पर आगे बढ़ गए तो बहुत कुछ खो भी तो दिया। बहुत सा अच्छा खोकर कुछ पा जाने को वास्तविक विकास या उन्नति नहीं कहा जा सकता। बहुत पढ़–लिखकर यदि हम अहंकारी हो जाते हैं तो ऐसा ज्ञान ही हम पर बोझ बन जाता है। यदि हम बड़े बनकर मान–मर्यादा अथवा शिष्टाचार भूल जाते हैं तो ऐसे बड़े होने से बड़ा न होना

ही बेहतर होगा। यदि आगे बढ़ने की प्रक्रिया में हमारे अंदर नैतिक मूल्यों का ह्रास होकर अनैतिकता में वृद्धि होती जा रही है तो ऐसा विकास बेमानी ही नहीं हमारे लिए घातक भी होगा ।

आज के दौर में प्रशिक्षण का एक अन्य सूत्र है ना कहना सीखना। मेरे एक परिचित हैं जो मिलने पर प्रायः कहते हैं कि उनका पुत्र कहता है कि हमें ना कहना सीखना चाहिए अन्यथा लोग हमारा गलत फायदा उठाने लगेंगे। मुझे कभी नहीं लगा कि कभी किसी ने उनका गलत फायदा उठाया है। साथ ही मुझे कभी नहीं लगा कि उन्होंने विषम परिस्थियों में कभी किसी की मदद की हो। विषम परिस्थियों में हममें से अधिकांश लोग कभी किसी की मदद के लिए आगे नहीं आते फिर हम कैसे लोगों पर गलत फायदा उठाने का आक्षेप लगा सकते हैं? कुछ लोग अपने कर्त्तव्यों के पालन मात्र को समाज अथवा लोगों पर बहुत बड़ा अहसान मान लेते हैं। वास्तव में समाज में अच्छे लोग लोगों की भलाई के चिंतित रहते हैं अथवा समाज के लिए कुछ कराते हैं वे ही अच्छे लोग होते हैं।

हर चीज़ को भौतिक उन्नति अथवा आर्थिक लाभ–हानि के तराजू में नहीं तौला जा सकता। हर बात के लिए ना कहना हमारी घोर स्वार्थ पर को ही दर्शाता हैं किसी की मदद करने की बात हो और हम उसके लिए पूर्णतः समर्थ न हों अथवा कोई बेजा परेशान कर रहा हो तो ना कहना ठीक है लेकिन हर बात के लिए दूसरों को ना कहना कहाँ तक उचित है; ये सोचने की बात है। उन्नति के मार्ग में क्या हम अकेले ही सब कुछ कर पाते हैं? जब पूरी दुनिया प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रुप में हमें सहयोग कर रही होती है तब तो हम ना नहीं कहते। जब माता–पिता स्वयं परेशानियाँ झेलकर हमें हर तरह की परेशानियों से बचाने की कोशिशों में लगे रहते हैं तब तो हम ना नहीं कहते। ये उनका फ़र्ज़ था लेकिन हमारा फ़र्ज़ कुछ भी नहीं है क्या?

मानव संसाधन जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है मानव को एक संसाधन के रुप में मान लिया गया है जो सही नहीं कहा जा सकता। यदि हम मनुष्य को संसाधन मानकर चलेंगे तो बड़ी गड़बड़ हो जाएगी। हम बहुत बड़े–बड़े मकान तो बना लेंगे लेकिन अच्छे घर, अच्छा समाज अथवा अच्छा राष्ट्र नहीं बना पाएँगे। आज समाज बदल रहा है। परिवर्तन स्वाभाविक है लेकिन उदात्त शाश्वत जीवन मुल्यों को नकारना किसी भी प्रकार से उचित नहीं। अवगुण अथवा विकार कभी विकास में सहायक नहीं हो सकते तथा उदात्त शाव्श्व जीवन मूल्य कभी विकास में बाधक नहीं होते। हम विकास के नए दर्शन को अपनाएँ लेकिन जो उदात्त शाश्वत जीवन मूल्य प्रासंगिक हैं उन्हें न छोड़ते हुए ही। तभी वास्तविक उन्नति हो सकती है अन्यथा व0ह मात्रा भ्रम होगी।

–धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

मैत्री भावना सबसे बड़ा मानवीय गुण है

मानवता का सबसे सफल प्रयोग है संगठन। वैसे तो पशु पक्षियों और कोट पतंगो में भी संगठन की व्यापक सोच होती है, लेकिन मानव के लिए यह उज्जवल पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। मनुष्य ने उन्नति के शिखर की ऊँचाईयों का स्पर्श किया। ऋषि, मुनियों और संत महात्माओं से नैतिकता की शिक्षा का प्रभाव यह हुआ कि उसने उत्थान की यात्रा सबके साथ मिल कर तय की। मानव समाज आगे बढ़ता गया। देश बने, राष्ट्रों का निर्माण हुआ और संस्थाओं का विकास हुआ। **संगठन की शक्ति ने ही मानव को महान बनाया।** इस संगठन की शक्ति से ही आपसी समझ और विश्वास की आधार शिला मजबूत होती है। संसार के प्रायः सभी देशों में लोकप्रिय सरकारें काम कर रही हैं। यह संगठनात्मक ऊर्जा का ही तो परिणाम है। शांति और व्यवस्था के पीछे सामाजिक एक जुटता की भावना प्रमुख होती है। इसीलिए संगठन की अवधारणा नैतिक मूल्यों की उत्तरापेक्षी है। बड़े कामों के लिए लोगों की एकता अनिवार्य है, जो सद्भाव के बिना कायम नहीं रह सकती। मन मस्तिष्क में विषय वस्तुएं हमेशा ही जल में लहरों की भांति आति और जाती रहती हैं।

संसार में हर प्राणी एक–दूसरे से जुड़ा होता है। उसका रुप और रंग कुछ भी हो सकता है। यहीं से संगठन की एक नींव पड़ती है। घर, परिवार, कुटुंब, समुदाय, जाति, समाज–ये सभी संगठन के ही स्वरुप हैं। पवित्र उददेश्य के लिए बनाया गया संगठन कल्याणकारी है। अपवित्र लक्ष्य को लेकर बना किसी भी प्रकार का संगठन सफल नहीं होता, भले ही वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो? संगठन के लिए मैत्री भावना की पृष्ठभूमि सदैव सकारात्मक मूल्यों से परिपूर्ण होनी चाहिए। मैत्री भावना सबसे बड़ा मानवीय गुण है। इसीलिए मानव संगठन सदैव गुणों के प्रतिक माने गए हैं। संगठन की बुनियाद तभी स्थायी होती है, जब उसके सदस्यों के मध्य आपस में नेकनीयती और पारस्परिक प्रतिबद्धता हो। इन दोनों गुणों के अभाव में संगठन दम तोड़ देते हैं।

– **डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष**

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति ने किया 75 वीं बालिका के विवाह में सहयोग

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवम युवामहिला संभाग अजमेर द्वारा विधवा महिलाओ व अन्य पीड़ित एवम जरुरतमंद महिलाओ के लिए समय–समय पर किये जाने वाले सेवाकार्यो की कड़ी में आज बड़ी नागफानी की रहने वाली जरुरतमंद महिला की बालिका के विवाह में सहयोग किया गया श्री दिगम्बर जैन महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती मधु पाटनी ने इस अवसर पर सदस्याओं, समाजसेवियों आदि से सहयोग कराते हुए कहा कि जन सहयोग से हर कार्य को हाथ मे लेकर उसे सफलता से सम्पादित किया जा सकता हैं

अध्यक्ष शिखा बिलाला ने बताया कि आज समिति द्वारा समाजश्रेष्ठी श्रीमती प्रतिभा सोनी के आथित्य में व समिति की सभी पदाधिकारियों की मौजूदगी में 75 वी बालिका के विवाह में सहयोग किया गया जिसमें दुल्हन का बेस, इक्कीस साड़ियां, चाँदी की पायल बिछिया, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, दूल्हे का सूट, स्टील के बर्तन, सेलो के आइटम, कनकर, ओवन, मिक्सी, गेस, पंखा, सूटकेस, प्रेस, सेलो की चार कुर्सियां, ब्लेंकेट्स, परिवारजन, के वस्त्र आदि युवामहिला संभाग अध्यक्ष श्रीमती मधु अतुल पाटनी, श्रीमती नोरत बाईजी सिंगी, श्रीमती प्रतिभा सोनी, श्रीमती अनिता शरद बड़जात्या, पदमचंद जैन आदि के सहयोग से भेंट कराए गए मंत्री सोनिका भैंसा ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि इस अवसर पर समिति कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी, भावना बाकलीवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती नवल छाबड़ा, सर्वोदय कॉलोनी इकाई मंत्री श्रीमती रेणु पाटनी, सरावगी मोहल्ला इकाई अध्यक्ष मंजू गंगवाल, युवा प्रकोष्ठ मंत्री श्रीमती रिंकू कासलीवाल आदि मौजूद रही

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अजमेर के तत्वावधाम में आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज का अवतरण दिवस हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अजमेर के तत्वावधान में जयपुर स्थित दिगम्बर जैन तीर्थ एवम अतिशय क्षेत्र सांगानेर में कार्यक्रम संयोजक अजमेर समिति की वरिष्ठ संरक्षक श्रीमति निर्मला पांड्या के संयोजन में एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमति शीला जी डोडिया के मुख्य आथित्य में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज का 75 वा अवतरण दिवस बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमति मधु पाटनी ने बताया कि सर्वप्रथम आचार्य श्री के चित्र का अनावकरण करते हुए दीप प्रज्जलवित किया तत्पश्चात श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की आवासीय एक सौ बत्तीस छात्राओ ने संगीतमय भजनों की प्रस्तुति देते हुए पूजन किया इस अवसर पर महिला महासमिति की सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने भक्ति में भाग लेते हुए आचार्य श्री जयवंत हो के नारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमति शीला जी डोडिया ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डाला जैन संत निर्यापक मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महा मुनिराज की प्रेरणा से मुम्बई निवासी एवम जयपुर प्रवासी श्रीमति उर्मिला खंडेलवाल, जोहरी बाज़ार जयपुर प्रवासी श्रीमति मंजू जैन, अजमेर निवासी सुश्री शिवांगी जैन सुपौत्री श्रीमति निर्मला पांड्या व श्रीमति पूनम तिलक जयपुर निवासी को संस्थान की आजीवन सदस्यता ग्रहण करवाई चारो सदस्याओं ने एक वर्ष के लिए एक एक बालिका को गोद लिया चांदखेड़ी खानपुर में विराजमान श्री सुधासागर जी महाराज ने चारों सदस्याओं के प्रति आशीर्वाद भिजवाया अंत मे श्रीमति निर्मला जी पांड्या के सहयोग से सभी बालिकाओ के लिए वात्सलय भोज का सभी ने लुफ्त उठाया

- मधु पाटनी
अध्यक्ष

समाज सेवा

समाज सेवा के लिए भारत सरकार के पदम् पुरस्कार से सम्मानित पद्मश्री बिमल जैन जी धर्मपाल श्रीमति सरोज जी एवं श्री अनत्र भूषण जी का अपने दिल्ली आवास पर सम्मान करते हुए श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन अलका जैन एवं परिवार के सदस्यगण

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग कोटा की सदस्यों ने सोनागिर गोलकोट थुवोंन जी की यात्रा की गोलकोट अतिशय क्षेत्र पर भगवान के परिमार्जन के लिए हथ करघा निर्मित 20 मीटर कपड़ा भी दिया गया।

- मधु शाह
अध्यक्ष

President of India @rashtrapa... · 2h

President Kovind presents Padma Shri to Shri Bimal Kumar Jain for Social Work . He is the Founder Secretary of Bharat Vikas Viklang Nyas which has been working for the rehabilitation and empowerment of physically challenged/ differently abled in Bihar.

श्री दिगम्बर जैन महासमिति छत्तीसगढ़ महिला विंग द्वारा विभिन्न खाद्य सामाग्रियों का वितरण किया गया

आगामी 4 नवंबर को भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष पूर्व श्री दिगम्बर जैन महासमिति छत्तीसगढ़ शाखा द्वारा मनुआस रियलिटि, रायपुरा के पीछे स्थित बस्ती में मिठाईयां, फल, नमकीन आदि विभिन्न खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। वितरण कार्य के दौरान शाखा की अध्यक्ष जया जैन सचिव संध्या जैन ने बताया की श्री दिगम्बर जैन महासमिति की पूरी टीम समय–समय पर विभिन्न सामाजिक गतिविधियां करती रहती हैं, भगवान महावीर स्वामी यह संदेश जियो और जीने दो को आमजन के मध्य प्रस्तुत करने और उनकी शिक्षा त्याग, करुणा और दया सभी अपने जीवन में आत्मसात करें इस भावना से आज यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजन में सभी ने बढ़चढ़कर सह भागिता दी, जिसमें मुख्य रुप से श्रीमती जया जैन, मेघना जैन, रेखा जैन वीतरागी, अल्का जैन, कविता जैन, अनिता जैन, ममता जैन, मीनल जैन, रश्मी जैन, शिखा जैन, रुपाली पाटौदी, सुनिता नायक, रोहिता जैन, नेहा जैन, नीता जैन, मयुरी जैन, शैली जैन, सोनल जैन आदि ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

आज इस आयोजन में विशेष अतिथि श्री मनोज जैन एवं श्री प्रदिप जैन (विश्व परिवार) रहे।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति दिल्ली प्रदेश का शपथ ग्रहण समारोह भव्यतापूर्ण सम्पन्न

यमुनापार के मधु विहार स्थित अहिंसा धाम हॉस्पिटल के प्रांगण में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए श्री दिगम्बर जैन महासमिति दिल्ली शाखा का शपथ ग्रहण समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन ने की। मुख्य अतिथि देश के प्रसिद्ध टीवी चैनल न्यूज़ नेशन के प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार दीपक चौरसिया रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन ने महासमिति द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया तथा मनोनीत दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष राजेश जैन, महामंत्री टीनू जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन एवं प्रचारमंत्री अंकुश जैन तथा कार्यकारिणी सदस्यों को पद की गरिमा एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष धर्णेन्द्र जैन, दिल्ली प्रदेश महिला महासमिति की अध्यक्षा निशा जैन, कार्याध्यक्ष राजरानी जैन एवं महामंत्री मंजू जैन उपस्थित थे।

इस मौके पर परम पूज्य समाधिस्थ राष्ट्रसंत, सराकोद्धारक आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज को समर्पित एवं उनके द्वारा लिखित अंतिम लेख से सुशोभित एवं भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित भारतनामा पुस्तक का विमोजन किया गया। जिसका संपादन विख्यात विदुषी लेखिका डॉ. प्रभाकिरण जैन ने किया। गायक पारस जैन एण्ड पार्टी व निशा जैन तथा अन्य कलाकारों द्वारा जैन भजन व देशभक्ति के गीतों ने सभी का मन मुग्ध कर हर्षित किया। सभी उपस्थित विशिष्ट आमंत्रित सज्जन धर्णेन्द्र जैन पूर्व कोषाध्यक्ष बड़ागांव, प्रमुख उघोगपति राजेश जैन, नवीन जैन, मोहित जैन आदि ने डॉ. मणीन्द्र जैन व साथियों के नेतृत्व में महासमिति को देश की सर्वोच्च एवं सर्वश्रेष्ठ संस्था बनाने का निर्णय लिया तथा महासमिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरी–भूरी प्रशंसा की तथा तन मन धन से सहयोग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्र गौरव डॉ. श्रीमति इंदु जैन ने किया।

जैन समाज रचेगा नया इतिहास
भक्तामर महास्त्रोत का हार कंठ में डालो, तो हार कभी ना होगी हार कहीं ना होगी।

प्रिय साधर्मी भाइयों एवं बहनों, जय जिनेंद्र जय महावीर। सातवीं सदी में महान आचार्य मानतुंग जी ने भक्तामर महास्त्रोत की रचना कर भगवान की भक्ति एवं स्तुति कर 48 तालों के बंधन से मुक्त होकर इतिहास रचा था। आज वही भक्तामर समस्त जैन समाज के भक्तों के लिए अम्बर बन कर रिद्धि, सिद्ध, बुद्धि एवं महामृत्युंजय प्रदाय बन कर हम सभी को सुख शांति प्रदान कर रहा है। भक्तामर वाले बाबा के रुप में प्रख्यात आचार्य डॉ. प्रणाम सागर जी महाराजश्री की प्रेरणा एवं मार्ग दर्शन से 48000 मीटर अर्थात 48 किलोमीटर हस्तलिपि से वस्त्र पर 48000 पुण्यशाली श्रावकों द्वारा लिखकर एक विश्व रिकॉर्ड बनाया जा रहा है। इसके लिए हमको देशभर में संयोजकों की आवश्यकता है। जो अधिक से अधिक धर्म प्रेमी श्रावकों को जोड़कर 1 मीटर साइज के वस्त्र पर 48 क्ष्लोक लिखवा कर जैन धर्म की प्रभावना में सहयोग करें। इस हेतु वस्त्र एवं पेन हमारे पते पर कोरियर द्वारा भेजना होगा पूरे देश व विदेश से 48000 मीटर वस्त्र को हम जोड़कर दुनिया की सबसे लंबी हस्तलिपि होने का इतिहास बनाकर जैन धर्म की प्रभावना में आप सभी सहभागी बन अत्यंत पुण्य के भागी बनेंगे। यदि आप अपने शहर/कस्बा या गांव में पुण्यशाली भक्तामर लिखने वाला श्रावकों को जोड़ने में सक्षम है तो तुरंत अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर निम्नलिखित व्हाट्सएप पर भेजने की कृपा करें। आप की स्वीकृति मिलते ही हम आपको इस पवित्र कार्य में जुड़ने का डिजिटल फॉर्म संयोजक बनने का पत्र एवं अन्य जानकारी भेजेंगे।

धन्यवाद।

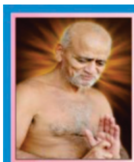

|| श्री विद्यासागराय नमः ||

|| श्री आदिनाथाय नमः ||

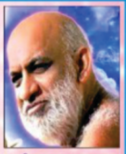

|| श्री सुधासागराय नमः ||

श्री दिगम्बर जैन महा समिति

राजस्थान अंचल

भव्य अधिवेशन

(पुरुष एवं महिला संयुक्त)

दिनांक 5 दिसम्बर 2021 रविवार

भविक जन,

सादर जय जिनेन्द्र ! जय महावीर !

जगत पूज्य 108 गुरुवर्य के परम आशीर्वाद एवं अनुकम्पा से श्री दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल संभाग के समस्त पदाधिकारीगण (पुरुष एवं महिला) का भव्य अधिवेशन दिनांक 5 दिसम्बर 2021 रविवार को **श्री भट्टारक जी की नसिया, जयपुर (राज.)** पर रखा गया है।

उद्घाटन सत्र – दिनांक 5 दिसम्बर 2021

प्रातः 10 से 1.30 बजे

मुख्य अतिथि : **महामहिम श्री कलराज मिश्र** राज्यपाल महोदय, राजस्थान

अध्यक्षता : **माननीय श्री मणीन्द्र जैन** राष्ट्रीय अध्यक्ष

विशिष्ट अतिथि : **श्रीमती शीला डोड़िया** राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला)

विशेष आमंत्रित : **श्रीयुत सुधांशु कासलीवाल**

कार्यक्रम :

1. माननीय मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन
2. मंगलाचरण व स्वागत गान एवं उद्बोधन
3. प्रतिवेदन प्रस्तुति
4. उद्बोधन विशिष्ट अतिथि
5. उद्बोधन - विशेष आमंत्रित महो.
6. आशीर्वाचन मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा
7. उद्बोधन अध्यक्ष महोदय

द्वितीय सत्र – दोप. 2.00 से 5.00 बजे

विचारणीय बिन्दु :

1. परिचर्चा - पूर्व में क्रियान्वित कार्यो की समीक्षा, भविष्य की कार्ययोजना, जनहित व समाज हित के महत्वपूर्ण कार्यो की रुपरेखा, धर्म प्रभावना हेतु प्रयास, सदस्यता अभियान तथा अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से ।
2. सांस्कृतिक प्रस्तुतियां
3. आभार प्रदर्शन व समापन कार्यक्रम

नोट : 1. सभी संभागों के पदाधिकारी (महिला एवं पुरुष) आवश्यक रुप से पधारें।
2. आवास व भोजन व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर ही रखी गई है।

विनीत :

प्रकाश पाटनी प्रदेश अध्यक्ष	**भाग्येश जैन** प्रदेश महामंत्री	**राजकुमार जैन 'टिल्लू'** प्रदेश कोषाध्यक्ष
शालिनी बाकलीवाल प्रदेश अध्यक्ष (महिला)	**डिम्पल गादिया** प्रदेश महामंत्री (महिला)	**सुशीला छाबड़ा** प्रदेश कोषाध्यक्ष (महिला)

श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति राजस्थान अंचल

श्री दिगम्बर जैन महासमिति
बून्दी की कार्यकारिणी

क्र.सं.	नम	पद	स्थान	मोबाईल नम्बर
1	श्री रोहित जैन	अश्यक्ष	बून्दी	9829138948
2	श्री प्रदीप जैन	सचिव	बून्दी	9828300321
3	श्री रवी जैन	कोषाश्यक्ष	बून्दी	9214317005
4	श्री बाबूलाल गोधा	उपाश्यक्ष	बून्दी	9414175532
5	श्री नरोत्तम जैन	सह सचिव	बून्दी	8619393584
6	श्रीमती गुंजन बाकलीवाल	ष्चार प्रसार मंत्री	बून्दी	9602608383
7	डॉ. मोहित जैन	संगठन मंत्री	बून्दी	9982954304
8	श्री हनी गंगवाल	सांस्कृतिक मंत्री	बून्दी	7728965577
9	श्री लोकेश गोधा	सह कोषाध्यक्ष	बून्दी	9414287048
10	श्री अनिल जैन	सह संगठन मंत्री	बून्दी	9783657744
11	श्री कपील पाटनी	धार्मिक मंत्री	बून्दी	9602006226

श्री दिगम्बर जैन महासमिति
सवाई माधोपुर की कार्यकारिणी

क्र.सं.	नाम	पद	स्थान	मोबाईल नम्बर
1	श्री. भाग्येश जैन	अध्यक्ष	गंगापुर सिटी	9462621435
2	श्री. देवेन्द्र जैन	सचिव	गंगापुर सिटी	9413148200
3	श्री. जगदीश जैन	कोषाध्यक्ष	गंगापुर सिटी	9413294356
4	श्री सुशील सौगानी	उपाध्यक्ष	सवाई माधोपुर	9414030806
5	श्री. नीलकमल जैन	सह सचिव	सवाई माधोपुर	9460993191
6	श्री. प्रवीण जैन	ष्चार प्रसार मंत्री	सवाई माधोपुर	9413718881
7	श्री. रिद्धि चन्द जैन	संगठन मंत्री	सवाई माधोपुर	9828777085
8	श्री योगेन्द्र पापडीवाल	सांस्कृतिक मंत्री	सवाई माधोपुर	9414349677
9	श्री. पूरण जैन	सह कोषाध्यक्ष	गंगापुर सिटी	9413718716
10	श्री. मनोज कुमार जैन	धार्मिक मंत्री	गंगापुर सिटी	9413719207
11	श्री. सुनेश जैन	सह संगठन मंत्री	गंगापुर सिटी	9983262995

श्री दिगम्बर जैन महासमिति
ब्यावर, जिला अजमेर की कार्यकारिणी

क्र.सं.	नम	पद	स्थान	मोबाईल नम्बर
1	श्री संजय जैन	अध्यक्ष	ब्यावर, जिला अजमेर	9414010465
2	श्री राकेश गोधा	सचिव	ब्यावर, जिला अजमेर	8003211322
3	श्री प्रवीण ठोल्या	कोषाध्यक्ष	ब्यावर, जिला अजमेर	9251045097
4	श्री मनोज पाटोदी	उपाध्यक्ष	ब्यावर, जिला अजमेर	9414008694
5	श्री मनोज सौगानी	सह सचिव	ब्यावर, जिला अजमेर	9166067733
6	श्री जितेन्द्र ठोल्या	ष्चार प्रसार मंत्री	ब्यावर, जिला अजमेर	9460041642
7	श्री रितेश बड़जात्या	संगठन मंत्री	ब्यावर, जिला अजमेर	9314492497
8	श्री जम्बू कासलीवाल	सांस्कृतिक मंत्री	ब्यावर, जिला अजमेर	9414867159
9	श्री मुकेश जैन	धार्मिक मंत्री	ब्यावर, जिला अजमेर	9414355183
10	श्री प्रधूमन जैन	सह कोषाध्यक्ष	ब्यावर, जिला अजमेर	9460111097
11	श्री अजित झांझरी	सह संगठन मंत्री	ब्यावर, जिला अजमेर	9414010318

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति मध्यांचल का सम्मेलन सम्पन्न

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति मध्यांचल के 25 संभागो से आए हुए सदस्याओं का सम्मेलन 19 अक्टूबर को भोपाल (मध्य प्रदेश) में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक कई नये संकल्पों के साथ सम्पन्न हुआ। श्रीमती इन्दु गान्धी अध्यक्षा महासमिति मध्यांचल, अल्पना जी महामंत्री, संध्या जी अध्यक्षा भोपाल संभाग, चंपा जी आदि ने अपने उद्बोधन में धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर उद्बोधन दिया।

- राजेंद्र जैन अध्यक्ष पत्रकार संघ

अद्भुत शिक्षा व्यवस्था

राजकोट में श्री मेहुल रुपाणी जी के अद्भुत शिक्षा व्यवस्था 16 संस्कार, 36 गुण एवं 64 विधायों का समावेश कर बच्चों को आधुनिक शिक्षा पर आधारित जलाए जा रहे स्कूल का अवलोकन करते हुए श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन।

जिन शरणम् तीर्थ महाराष्ट्र

जिन शरणम् तीर्थ महाराष्ट्र में आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज के मंगल पावन सानिध्य में पूजा, अभिषेक, आरती, आहार, विधान आदि मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर पुण्यार्जन एवं मंगल कलश प्राप्त करने का सौभाग्य श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन एव उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अलका जैन के साथ दिनांक 11 नवम्बर 2021 को प्राप्त हुआ। उपरोक्त पुण्य कार्य के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक–धार्मिक कार्यों के बारे में भी सार्थक चर्चा हुई तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

–धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया पद्मश्री विमल जैन का सम्मान

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विगत दिवस राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में समाज सेवा के लिए भारत सरकार के पद्माश्री पुरस्कार से सम्मानित पद्माश्री विमल जैन, धर्मपत्नी सरोज जी एवं अनंत भूषण का अपने दिल्ली आवास पर स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन, अलका जैन एवं परिवार के सदस्यगण उपस्थित थे। सभी ने उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

आचार्य श्री के पद पदारोहण दिवस पर बालिका छात्रवास में सेवाकार्य

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवम युवामहिला संभाग अजमेर द्वारा सांगानेर जयपुर स्थित श्रमण संस्कृति बालिका छात्रवास मे जैन संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विघासागर जी महामुनिराज के पद पदारोहण दिवस पर सभी बालिकाओं को ठंड से बचाव हेतु कार्डिगन (स्वेटर) मोजे व बालिकाओं के उपयोग हेतु जरुरत का समान महासमिति के संरक्षक एवं समाजसेवी श्री राकेश जी पलीवाल, श्रीमति कमलेश जी पालीवाल, समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमति मधु अतुल पाटनी व श्रीमति वर्षा बडजात्या के सहयोग से भेंट किए गए राजस्थान महिला अंचल अध्यक्ष श्रीमति शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि आचार्य श्री के स्वर्णिम महोत्सव के उपलक्ष पर भजन व काव्य पाठ किया गया राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमति मधु पाटनी ने बताया कि छात्रवास की बालिकाएं लोकिक शिक्षा के साथ साथ धार्मिक शिक्षा व संस्कार भी ग्रहण करती हे तत्पभचात महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमति शीला जी डोडिया की प्रेरणा से सभी संस्कारित एक सौ चालिस बालिकाएं धार्मिक प्रवचन करके व ऑनलाइन जैन समाज का नाम रोशन कर रही हे इस अवसर पर राजस्थान अंचल की अध्यक्ष श्रीमति शालिनी बाकलीवाल, समिति संरक्षक श्री राकेश पालीवाल, श्रीमति कमलेश पालीवाल, युवामहिला संभाग अजमेर की अध्यक्ष श्रीमति मधु पाटनी, मंत्री श्रीमति आशा पाटनी, श्रीमति रेखा जैन, सांगानेर छात्रवास का स्टाफ आदि मोजूद रहा अंत मे मंत्री श्रीमति आशा पाटनी ने सभी का आभार प्रकट किया।

- मधु पाटनी
अध्यक्ष

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600